# शब्द-संरचना




भाषा में एक शब्द से दूसरा शब्द बनाने की प्रक्रिया को शब्द-संरचना कहा जाता है। शब्द-संरचना में मूल शब्दों में कुछ शब्दांश या शब्दों को जोड़कर नए शब्द बनाएँ जाते हैं। हिन्दी में शब्द-संरचना की प्रक्रिया तीन प्रकार से होती है-

1. उपसर्ग द्वारा
2. प्रत्यय द्वारा
3. समास / संधि के द्वारा

यहाँ हम उपसर्ग और प्रत्यय की सहायता से शब्द-संरचना की जानकारी प्राप्त करेंगे।

**उपसर्ग द्वारा शब्द-संरचना :**

- वे शब्दांश जो किसी शब्द के पहले जुड़कर नए शब्द का निर्माण करते हैं और उसके अर्थ में विशेषता या परिवर्तन कर देते हैं वे उपसर्ग कहलाते हैं जैसे-

  उप + देश = उपदेश

  स्व + देश = स्वदेश

  वि + देश = विदेश

- उपर्युक्त उदाहरण में 'देश' शब्द से पूर्व 'उप' उपसर्ग जुड़ने से नया शब्द 'उपदेश' और 'वि' उपसर्ग जुड़ने से नया शब्द 'विदेश' बने। अतः यहाँ 'उप', 'स्व', 'वि' - उपसर्ग हैं।
- उपसर्ग की तीन विशेषताएँ होती हैं-

  (1) शब्द के अर्थ में नई विशेषता लाना।

  जैसे : प्र + बल = प्रबल

  अनु + शासन = अनुशासन

  (2) शब्द के अर्थ को उलट देना।

  जैसे : अ + धर्म = अधर्म

  अप + मान = अपमान

  (3) शब्द के अर्थ में, कोई खास परिवर्तन न करके मूलार्थ के इर्द-गिर्द अर्थ प्रदान करना।

  जैसे : वि + शुद्ध = विशुद्ध

  परि + भ्रमण = परिभ्रमण

- उपसर्ग शब्द निर्माण में बड़ा सहायक होता है। एक ही मूल शब्द विभिन्न उपसर्गों के योग से विभिन्न अर्थ प्रकट करता है। जैसे-

  - आ + हार = आहार - भोजन
  - सम् + हार = संहार - नाश
  - उप + हार = उपहार - सौगात
  - उत् + हार = उद्धार - मुक्ति, मोक्ष
  - प्र + हार = प्रहार - चोट करना
  - वि + हार = विहार - मनोरंजनार्थ यत्र-तत्र घूमना

- हिन्दी भाषा में हिन्दी के अपने उपसर्ग, संस्कृत के उपसर्ग और अरबी, फारसी, उर्दू के उपसर्गों का प्रयोग होता है। यहाँ इन भाषाओं के प्रमुख उपसर्ग, उनके अर्थ एवं उनसे बने शब्द दिए जा रहे हैं।

**हिन्दी के उपसर्ग :**

| उपसर्ग | अर्थ | शब्द |
|---|---|---|
| अ | अभाव, निषेध | अचेत, अज्ञान, अभाव, अमर |
| अन | अभाव निषेध | अनपढ़, अनमोल, अनजान, अनबन |
| अध | आधा | अधपका, अधखिला, अधमरा |
| औ | हीन, निषेध | औगुन, औघट, औढ़र |
| क/कु | बुरा, बुराई | कपूत, कुचाल, कुपात्र, कुकर्म |
| दु | कम, बुरा | दुबला, दुश्चरित्र, दुकाल |
| नि | निषेध, अभाव | निगू, निकम्मा, निहत्था, निधड़क |
| बिन | अभाव, निषेध | बिनदेखा, बिनब्याहा, बिनबोला |
| भर | पूरा | भरपूर, भरसक, भरपेट |
| स | अच्छा, सहित | सपूत, सचेत, सहर्ष, सजातीय |
| सु | उत्तमता, साथ | सुड़ौल, सुजान |
| पर | अधिक, आगे | परपोता, परदादा |
| न | अभाव | नपूता, नपूती |

**संस्कृत के उपसर्ग :**

| उपसर्ग | अर्थ | शब्द |
|---|---|---|
| अ | अभाव, निषेध | अधर्म, अनीति, अज्ञान, असत्य |
| आ | तक, पूर्ण, सहित, उल्टा | आमरण, आकण्ठ, आमुख, आक्रोश, आक्रमण, आरोहण |
| अधि | ऊपर, श्रेष्ठ, समीपता | अधिनायक, अधिपति, अध्ययन, अधीक्षक, अध्यात्म, अधिकार |
| अति | अधिक | अतिक्रमण, अतिपात, अतिरिक्त, अत्याचार, अतिशय, अत्यंत, अत्याचार |
| अनु | पीछे, समान, बाद में आनेवाला | अनुशासन, अनुरूप, अनुभूति, अनुकंपा, अनुगामी, अनुज, अनुकूल, अनुकरण, अनुराग, अनुशीलन |
| अभि | सामने, ओर, अच्छा, पास | अभिमुख, अभियोग, अभियान, अभिज्ञान, अभ्यास, अभिलाषा, अभिनव, अभिप्राय, अभिशाप |
| अव | बुरा, हीन | अवनति, अवगुण, अवज्ञा |
| उत् | ऊपर, श्रेष्ठ, निकट, सादृश्य | उपनाम, उपकृत, उपदेश, उपनगर, उपकार, उपवन, उद्धार, उत्कृष्ट, उदय, उत्पत्ति, उत्कर्ष |
| दुर् | कठिन, बुरा, हीनता | दुर्लभ, दुर्भाग्य, दुर्बल, दुर्गति, दुर्गुण, दुर्दशा, दुराचार, दुर्जन, दुर्दिन |
| दुस् | कठिन, बुरा | दुस्साहस, दुष्कर, दुष्कर्म, दुसाध्य, दुर्गम, दुःसह, दुश्शासन |

| | | |
|---|---|---|
| निर् | बिना, नहीं | निर्जन, निर्भय, निर्वाह, निर्गम, निर्मल, निर्बल, निर्दोष, निरपराध, निराकार |
| निस् | रहित, नहीं | निष्कपट, निष्काम, निश्छल, निश्चल, निस्संदेह, निस्तेज |
| परा | उल्टा, विपरीत, नाश, दशा | पराधीन, पराजय, पराभव, पराक्रम, परामर्श, पराकाष्ठा |
| परि | चारों ओर, आस-पास, पूर्णता | परिक्रमा, परिणाम, परिमाण, परिश्रम, परित्यक्त |
| प्र | अधिक, आगे, गति | प्रयत्न, प्रसिद्ध, प्रहार, प्रलय, प्रताप, प्रबल, प्रक्रिया, प्रकोप |
| प्रति | सामने, विरुद्ध, विशेषार्थ में | प्रतिहिंसा, प्रतिध्वनि, प्रतिवाद, प्रतिकार, प्रतिज्ञा, प्रतिभा, प्रतिष्ठा, प्रतिदान |
| वि | विशिष्ट, भिन्न | विख्यात, विज्ञान, विपक्ष, विदेश, वियोग |
| सम् | संयोग, अच्छा, पूर्ण, साथ | संतोष, संस्कार, संयुक्त, संवाद, सम्मेलन |
| सु | अच्छा, श्रेष्ठता | सुपुत्र, सुशिक्षित, सुरम्य, सुजन, सुकाल, सुगम |
| स्व | अपना | स्वराज्य, स्वतंत्र |

**अरबी, फारसी, उर्दू के उपसर्ग :**

| उपसर्ग | अर्थ | शब्द |
|---|---|---|
| अल | निश्चित | अलबेला, अलबत्ता |
| ऐन | ठीक, पूरा | ऐनवक्त, ऐन मौका |
| कम | अल्प, हीन | कमज़ोर, कमअक्ल, कमउम्र |
| खुश | अच्छा, उत्तमता | खुशबू, खुशमिजाज, खुशकिस्मत, खुशखबरी, खुशहाल |
| ग़ैर | भिन्न, निषेध | गैरकानूनी, ग़ैरहाज़िर |
| दर | में, अन्दर | दरअसल, दरहकीकत, दरकार |
| ना | अभाव | नापसंद, नामंजूर, नाराज़, नालायक, नादान, नाजायज |
| ब | के अनुसार, और | बनाम, बदौलत, बखूबी |
| बद | बुरा, हीनता | बदनाम, बदतमीज, बदबू |
| बर | बाहर, पर | बरदाश्त, बरखास्त, बरवक्त |
| बा | साथ, से | बाकायदा, बाइज्जत, बाकलम |
| बिला | बगैर, बिना | बिलावजह, बिलाकसूर, बिलाअक्ल |
| बे | बिना, अभाव | बेईमान, बेकसूर, बेचारा, बेहोश |
| ला | बिना, अभाव | लावारिस, लाज़वाब, लापरवाह |
| सर | मुख्य, श्रेष्ठ | सरपंच, सरनाम, सरताज |
| हम | साथ, बराबर | हमदर्द, हमसफ़र, हमउम्र, हमराज |
| हर | प्रत्येक | हरसाल, हरघड़ी, हररोज, हरदफा |

## स्वाध्याय

**1. उपसर्ग से आप क्या समझते हैं?**

**2. किन्ही तीन उपसर्ग चुनकर उन उपसर्गों के योग से तीन-तीन शब्द बनाइए।**

**3. सही विकल्प चुनिए :**

(1) किस शब्द में 'आ' उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है?

(क) आजीवन (ख) आमरण (ग) आकर्षक (घ) आराम

(2) किस शब्द में 'अप' उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है?

(क) अपमान (ख) अपना (ग) अपकार (घ) अभिशाप

(3) किस शब्द में 'अप' उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है?

(क) अवसर (ख) अवज्ञा (ग) अवगुण (घ) अवनति

(4) किस शब्द में 'स' उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है?

(क) सत्कार (ख) सपूत (ग) सहर्ष (घ) सजातीय

(5) किस शब्द में 'वि' उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है?

(क) विदेश (ख) विपक्ष (ग) विख्यात (घ) विमान

**4. निम्नलिखित उपसर्गों में प्रयुक्त उपसर्गों के सही विकल्प का चयन कीजिए :**

(1) संयोग–

(क) सन (ख) सन् (ग) सम (घ) सम्

(2) पुनर्विवाह–

(क) पुनः (ख) पुनर (ग) पुनर् (घ) पुन

(3) अपव्यय–

(क) अप (ख) अ (ग) अपि (घ) अप्

**प्रत्यय द्वारा शब्द संरचना :**

- ऐसे शब्दांश जो शब्दों के अंत में जुड़कर नए शब्दों का निर्माण करते हैं और उनके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं वे प्रत्यय कहलाते हैं जैसे–

  चाचा + ई = चाची

  लड़ + आई = लड़ाई

  दया + आलु = दयालु

- उपर्युक्त उदाहरणों में 'चाचा', 'लड़' और 'दया' शब्दों में क्रमशः 'ई', 'आई', तथा 'आलु' शब्दांशों का प्रयोग करके नए शब्द बनाएँ गए हैं। अतः यहाँ 'ई', 'आई' तथा 'आलु' प्रत्यय हैं।

- **प्रत्यय के भेद :**

  प्रत्यय के मुख्य रूप से दो भेद किए जा सकते हैं:

  (1) कृत् प्रत्यय और

  (2) तद्धित प्रत्यय

  अब, इन प्रत्ययों के बारे में समझेंगे।

**( 1 ) कृत् प्रत्यय :**

- जो प्रत्यय क्रिया के धातु रूप के पीछे जुड़कर नए शब्दों का निर्माण करते हैं, उन्हें कृत प्रत्यय कहा जाता है।
- हिन्दी में मुख्य रूप से कर्तृवाचक, कर्मवाचक, करणवाचक, भाववाचक और क्रियावाचक कृत प्रत्ययों का प्रयोग किया जाता है।

**( 1 ) कर्तृवाचक कृत् प्रत्यय :** जिस प्रत्यय से कार्य करनेवालों अर्थात् 'कर्ता' का बोध हो, उन्हें कर्तृवाचक कृत प्रत्यय कहा जाता है। कर्तृवाचक कृत प्रत्यय के उदाहरण निम्नांकित हैं :

| कर्तृवाचक कृत् प्रत्यय | शब्द | प्रत्यय के योग से बने शब्द |
|---|---|---|
| अक्कड़ | पी, धूम, भूल | पियक्कड़, घुमक्कड़, भुलक्कड़ |
| आक | तैर | तैराक |
| आका | लड़, उड़ | लड़ाका, उड़ाका |
| आडी | खेल | खिलाड़ी |
| इयल | मर, अड़ | मरियल, अड़ियल |
| ऊ | खा, कमा, चल, बिक | खाऊ, कमाऊ, चलाऊ, बिकाऊ |
| एरा | लूट, कमा | लुटेरा, कमेरा |

**( 2 ) कर्मवाचक कृत् प्रत्यय :** जिस प्रत्यय से कर्म का बोध करानेवालों का बोध होता है उसे कर्मवाचक कृत प्रत्यय कहा जाता है। कर्मवाचक कृत प्रत्यय के उदाहरण निम्नांकित हैं:

| कर्मवाचक कृत् प्रत्यय | शब्द | प्रत्यय के योग से बने शब्द |
|---|---|---|
| औना | बिछ, खेल | बिछौना, खिलौना |
| ना | गा, ओढ़ | गाना, ओढ़ना |
| नी | ओढ़, सूँघ | ओढ़नी, सूँघनी |

**( 3 ) करणवाचक कृत् प्रत्यय :** जो प्रत्यय क्रिया के करण-रूप (क्रिया के साधन) रूप बनाते हैं, उन्हें करणवाचक कृत प्रत्यय कहते हैं। करणवाचक कृत प्रत्यय के उदाहरण निम्नांकित हैं:

| करणवाचक कृत् प्रत्यय | शब्द | प्रत्यय के योग से बने शब्द |
|---|---|---|
| आ | धेर, झूल | धेरा, झूला |
| ई | फाँस, बुहार, रेत | फाँसी, बुहारी, रेती |
| ऊ | झाड़ | झाड़ू |
| न | बेल, ढक, झाड़ | बेलन, ढक्कन, झाड़न |
| नी | कतर, सूँघ, ओढ़ | कतरनी, सूँघनी, ओढ़नी |

**( 4 ) भाववाचक कृत् प्रत्यय :** जिन प्रत्ययों से भाववाचक संज्ञाएँ बनती हैं, उन्हें भाववाचक कृत् प्रत्यय कहते हैं। भाववाचक कृत् प्रत्यय के उदाहरण निम्नांकित हैं:

| भाववाचक कृत् प्रत्यय | शब्द | प्रत्यय के योग से बने शब्द |
|---|---|---|
| आई | उतर, बुन, धो, पढ़, सी, लड़ | उतराई, बनाई, धुलाई, पढ़ाई, सिलाई, लड़ाई |
| आवट | लिख, दिख, मिल, गिर, बुन, सजा | लिखावट, दिखावट, मिलावट, गिरावट, बुनावट, सजावट |
| आहट | गड़गड़, चिल्ला | गड़गड़ाहट, चिल्लाहट |
| आव | बह, बच, झुक | बहाव, बचाव, झुकाव |
| आन | उड़, थक, मिला | उड़ान, थकान, मिलान |

**( 5 ) क्रियावाचक कृत् प्रत्यय :** जिन प्रत्ययों के योग से क्रियाविशेषण अव्यय अथवा विशेष प्रकार के क्रिया शब्दों का निर्माण होता है, उन्हें क्रियावाचक कृत् प्रत्यय कहते हैं। जैसे–

| क्रियावाचक कृत् प्रत्यय | शब्द | प्रत्यय के योग से बना शब्द |
|---|---|---|
| ता | चल, खा, पी, लिख | चलता, खाता, पीता, लिखता |
| या | खा, रो, दिखा, सजा | खाया, रोया, दिखाया, सजाया |
| कर | सुन, पढ़, लिख, आ | सुनकर, पढ़कर, लिखकर, आकर |
| ते–ते | चल, सुन | चलते–चलते, सुनते–सुनते |

**( 2 ) तद्धित प्रत्यय :**

– जो प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण अथवा अव्यय के अंत में लगकर नए शब्दों का निर्माण करते हैं, उन्हें तद्धित प्रत्यय कहते हैं। जैसे–

| शब्द | प्रत्यय | प्रत्यय के योग से बना शब्द |
|---|---|---|
| कला (संज्ञा) | कार | कलाकार |
| मीठा (विशेषण) | आस | मिठास |
| अपना (सर्वनाम) | पन | अपनापन |
| बाहर (प्रत्यय) | ई | बाहरी |

– तद्धित प्रत्यय के विभिन्न भेद एवं उनके उदाहरण इस प्रकार हैं।

**( 1 ) स्त्रीलिंगवाचक तद्धित प्रत्यय :** जिन तद्धित प्रत्ययों के योग से शब्द स्त्रीलिंगवाची बन जाते हैं, उन्हे स्त्रीलिंग वाचक तद्धित प्रत्यय कहते हैं। जैसे–

| स्त्रीलिंग वाचक तद्धित प्रत्यय | शब्द | प्रत्यय के योग से बना शब्द |
|---|---|---|
| ई | चाचा, लड़का | चाची, लड़की |
| इन | धोबी, लुहार | धोबिन, लुहारिन |
| आ | शिष्य, बाल | शिष्या, बाला |
| आनी | देवर, नौकर | देवरानी, नौकरानी |
| नी | शेर, मोर | शेरनी, मोरनी |
| आइन | बाबू, पंडा | बबुआइन, पंडाइन |
| इया | बूढ़ा, बंदर | बुढ़िया, बंदरिया |
| इनी | तपस्वी, हाथी | तपस्विनी, हथिनी |

**( 2 ) कर्तृवाचक तद्धित प्रत्यय :** जिन तद्धित प्रत्ययों के योग से किसी कार्य के करनेवाले का बोध होता है, वे कर्तृवाचक तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं। जैसे–

| कर्तृवाचक तद्धित प्रत्यय | शब्द | प्रत्यय के योग से बना शब्द |
|---|---|---|
| गर | जादू, बाजी | जादूगर, बाजीगर |
| वाला | दुकान, दूध | दुकानवाला, दूधवाला |
| आरी | भीख | भिखारी |
| कार | चित्र, पत्र | चित्रकार, पत्रकार |
| ई | तेल, रोग | तेली, रोगी |
| एरा | लुट | लुटेरा |

( 3 ) **स्थानवाचक तद्धित प्रत्यय :** जिन तद्धित प्रत्ययों से स्थान का बोध हो, उन्हें स्थानवाचक तद्धित प्रत्यय कहते हैं। जैसे–

| स्थानवाचक तद्धित प्रत्यय | शब्द | प्रत्यय के योग से बना शब्द |
|---|---|---|
| इया | जयपुर, मुंबई | जयपुरिया, मुंबइया |
| वाला | दिल्ली, मथुरा | दिल्लीवाला, मथुरावाला |
| ई | बंगाल, गुजरात | बंगाली, गुजराती |
| वी | लुधियाना, लखनऊ | लुधियानवी, लखनवी |

( 4 ) **गुणवाचक तद्धित प्रत्यय :** जिन तद्धित प्रत्ययों से किसी वस्तु या प्राणी या व्यक्ति के गुण या विशेषता का बोध हो, उसे गुणवाचक तद्धित प्रत्यय कहते हैं। जैसे–

| गुणवाचक तद्धित प्रत्यय | शब्द | प्रत्यय के योग से बना शब्द |
|---|---|---|
| आ | प्यास, ठंड | प्यासा, ठंडा |
| ई | क्रोध, कीमत | क्रोधी, कीमती |
| ईय | दर्शन, प्रार्थना | दर्शनीय, प्रार्थनीय |
| ईला | रंग, शर्म | रंगीला, शर्मीला |
| इक | धर्म, दिन | धार्मिक, दैनिक |
| लु | दया, श्रद्धा | दयालु, श्रद्धालु |
| वान | धन, गुण | धनवान, गुणवान |
| ईन | रंग, नमक | रंगीन, नमकीन |
| ईय | जाति, राष्ट्र | जातीय, राष्ट्रीय |
| वती | गुण, बल | गुणवती, बलवती |
| मती | बुद्धि, रूप | बुद्धिमती, रूपमती |
| ऐला | विष, वन | विषैला, वनैला |
| इल | स्वप्न, स्नेह | स्वप्निल, स्नेहिल |
| अंत | सुख, दुःख | सुखांत, दुःखात |
| इत | हर्ष, धृणा | हर्षित, धृणित |

( 5 ) **भाववाचक तद्धित प्रत्यय :** जिन तद्धित प्रत्ययों के योग से भाववाचक संज्ञाओं का निर्माण होता है, उन्हें भाववाचक तद्धित प्रत्यय कहते हैं। जैसे–

| भाववाचक तद्धित प्रत्यय | शब्द | प्रत्यय के योग से बना शब्द |
|---|---|---|
| ता | मनुष्य, मित्र | मनुष्यता, मित्रता |
| त्व | देव, व्यक्ति | देवत्व, व्यक्तित्व |
| आपा | बूढ़ा, पूजा | बुढ़ापा, पुजापा |
| पन | लड़का, बच्चा | लड़कपन, बचपन |
| ई | बीमार, चालाक | बीमारी, चालाकी |
| आई | अच्छा, कंबा | अच्छाई, लंबाई |
| इमा | काला, लाल | कालिमा, लालिमा |
| आहट | चिकना, कडुवा | चिकनाहट, कडुवाहट |
| इयत | इन्सान, हैवान | इन्सानियत, हैवानियत |

**( 6 ) बहुवचनवाचक तद्धित प्रत्यय :** जिन तद्धित प्रत्ययों के योग से बहुवचनवाची शब्दों का निर्माण होता है, उन्हें बहुवचनवाचक तद्धित प्रत्यय कहा जाता है। जैसे–

| बहुवचनवाचक तद्धित प्रत्यय | शब्द | प्रत्यय के योग से बना शब्द |
|---|---|---|
| एँ | कन्या, लता | कन्याएँ, लताएँ |
| | बहू, वधू | बहुएँ, वधुएँ |
| याँ | चिड़िया, गुड़िया | चिड़ियाँ, गुड़ियाँ |
| इयाँ | नदी, दवाई | नदियाँ, दवाइयाँ |

**( 7 ) संबंधवाचक तद्धित प्रत्यय :** जिन तद्धित प्रत्ययों से किसी संबंधवाची शब्द का निर्माण होता है, उन्हें संबंधवाचक तद्धित प्रत्यय कहते हैं। जैसे–

| संबंधवाचक तद्धित प्रत्यय | शब्द | प्रत्यय के योग से बना शब्द |
|---|---|---|
| एरा | मामा, मौसा | ममेरा, मौसेरा |
| आल | ससुर, नाना | ससुराल, ननिहाल |
| एय | राधा, कुंती | राधेय, कौंतेय |

**( 8 ) लघुतावाची तद्धित प्रत्यय :** जिन तद्धित प्रत्ययों से लघुतावाची शब्दों का निर्माण होता है, उन्हें लघुतावाची तद्धित प्रत्यय कहते हैं। जैसे–

| लघुतावाचक तद्धित प्रत्यय | शब्द | प्रत्यय के योग से बना शब्द |
|---|---|---|
| इया | खाट, डिब्बा | खटिया, डिबिया |
| ई | रस्सा, टोकरा | रस्सी, टोकरी |
| री | कोठा, छाता | कोठरी, छतरी |
| ड़ी | संदूक, पंख | संदूकड़ी, पंखुड़ी |
| टी | लंगोट | लंगोटी |

**( 9 ) क्रमवाचक तद्धित प्रत्यय :** जिन तद्धित प्रत्ययों के जुडने से क्रमवाची शब्दों का निर्माण होता है, उन्हें क्रमवाचक तद्धित प्रत्यय कहते हैं। जैसे–

| क्रमवाचक तद्धित प्रत्यय | शब्द | प्रत्यय के योग से बना शब्द |
|---|---|---|
| वाँ | नौ, दस | नौवाँ, दसवाँ |
| हरा | एक, दो | इकहरा, दोहरा |
| गुना | दो, तीन | दोगुना, तिगुना |

## स्वाध्याय

**1.** प्रत्यय किसे कहते हैं? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

**2.** किन्हीं चार प्रत्यय चुनकर उन प्रत्ययों के योग से बने दो-दो शब्द बनाइए।

**3.** उपसर्ग और प्रत्यय का भेद स्पष्ट कीजिए।

**4.** सही विकल्प चुनिए।

(1) किस शब्द में 'एरा' प्रत्यय का प्रयोग नहीं हुआ है?

(क) चचेरा (ख) ममेरा (ग) सवेरा (घ) फुफेरा

(2) किस शब्द में 'ता' प्रत्यय का प्रयोग नहीं हुआ है?

(क) पशुता (ख) सुंदरता (ग) भिन्नता (घ) तोता

(3) किस शब्द में 'नी' प्रत्यय का प्रयोग नहीं हुआ है?

(क) चीनी (ख) शेरनी (ग) जाटनी (घ) सिंहनी

**5. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्ययों के सही विकल्पों का चयन कीजिए :**

(1) संदूकड़ी:

(क) कड़ी (ख) ड़ी (ग) ई (घ) अड़ी

(2) देवरानी:

(क) आनी (ख) नी (ग) ई (घ) रानी

(3) सजावट:

(क) ट (ख) आहट (ग) वट (घ) आवट

(4) पुजारिन:

(क) इन (ख) आइन (ग) अन (घ) रिन

●